पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 16.06.2025 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

श्रावणी पर युवा संस्कार अभियान

आर्य समाज के 150 वे स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में दिनांक 6 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक 150 स्थानो पर युवा संस्कार अभियान 12 से 25 वर्ष तक युवाओ को यज्ञोपवीत धारण।

आप भी अपने क्षेत्र में कार्यक्रम अवश्य आयोजित करे सम्पर्क सूत्र–

अरुण आर्य– 9818530543,
सौरभ गुप्ता–9971467978
–अनिल आर्य–महेन्द्र भाई

वर्ष-42 अंक-02 ज्येष्ठ-2082 दयानन्दाब्द 201 16 जून से 30 जून 2025 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.06.2025, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर सौल्लास सम्पन्न

आर्य युवा राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे –डॉ अशोक कुमार चौहान (संस्थापक अध्यक्ष एमिटी शिक्षण संस्थान)

आर्य युवक परिषद राष्ट्रभक्त युवाओं का निर्माण करेगी –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

नोएडा, रविवार 8 जून 2025 , केंद्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में गत 31 मई से एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 44, नोएडा में विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का भव्य समापन हो गया। शिविर में 175 बच्चों ने वैदिक संस्कृति की जानकारी, लाठी, डंबल, लेजियम दंड बैठक, योगासन, आत्मरक्षा आदि प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य महेंद्र भाई ने यज्ञ करवा कर बच्चों को यज्ञोपवीत धारण कराया और माता–पिता की सेवा का संकल्प करवाया। समारोह के मुख्य अतिथि एमिटी शिक्षण संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार चौहान ने कहा कि यह प्रशिक्षित आर्य युवक राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे और विश्वपटल पर भारत का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि श्री अनिल आर्य के नेतृत्व में आर्य युवक परिषद निरंतर युवाओं का चरित्र निर्माण कार्य करने में संलग्न है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि ऐसे सुसंस्कारित युवकों के कारण भारत विश्व में आर्थिक महाशक्ति बनेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एमिटी केंपस के अंदर जिसके वायु में ही संस्कार हैं,शिविर आयोजित करके यह संस्थान वैदिक ऋचाओं से और सुशोभित हो जाता है। शिविर संचालक केंद्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि परिषद राष्ट्रभक्त युवाओं के निर्माण का कार्य और तीव्र गति से चलाएगी। हमारी शिक्षा पद्धति में संस्कारों एवं नैतिक शिक्षा का अभाव दिखता है। जिसे आर्य समाज पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि युवकों के लिए महर्षि दयानंद सरस्वती एक आदर्श व्यक्तित्व है जिनका पूरा जीवन प्रेरणा और प्रकाश स्तंभ के समान है। उनके जीवन से हम सबको प्रेरणा लेनी चाहिए। शिक्षाविद् श्री आनंद चौहान ने कहा कि हम इस आर्य युवा अभियान में एमिटी शिक्षण संस्थान की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान करते रहेंगे। उन्होंने बच्चों के कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रदान की। उन्होंने आशा व्यक्त की यह कार्य देश भर में विस्तार करेगा और युवा पीढ़ी संस्कारवान बनेगी।इस अवसर पर शिक्षक सौरभ गुप्ता के निर्देशन में आर्य युवकों द्वारा व्यायाम प्रदर्शन के आकर्षक कार्यक्रम दिखाए गए। इस अवसर पर एमिटी इंटरनेशनल स्कूल की चेयरपर्सन डॉ अमिता चौहान जी ने अपनी शुभकामनाएं प्रदान की।प्राचार्या रेणु सिंह ने कहा कि भारत के युवाओं को देखकर पूरी दुनियां ने माना है कि भारत का भविष्य उज्जवल है।आर्य युवा ऋषि दयानंद के नियमों पर चलकर बहुत कार्य कर रहे हैं। शिक्षाविद अमन गर्ग ने ओम ध्वज लहराया। प्रमुख रूप से शिक्षाविद् डॉक्टर बहन गायत्री मीना,मधु भसीन, अशोक गुलाटी,धर्मपाल आर्य, रामकुमार आर्य,अरुण आर्य, यज्ञवीर आर्य,देवेंद्र आर्य बंधु, सुरेश आर्य, सुधीर बंसल ओमपाल शास्त्री आदि विद्यमान थे।आचार्य महेन्द्र भाई ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सुप्रसिद्ध गायिका पिंकी आर्या, प्रवीण आर्य,रामकुमार आर्य ने मधुर भजन प्रस्तुत किये। शिविर में व्यायाम शिक्षक सौरभ गुप्ता,गौरव सिंह,प्रदीप आर्य,विवेक अग्निहोत्री गौरव झा उपस्थित रहे। सर्वश्रेष्ठ प्रथम– अजय आर्य (अलीगढ़), सर्वश्रेष्ठ द्वितीय बीरू आर्य (शाहदरा),सर्वश्रेष्ठ तृतीय शिवम आर्य(बागपत) को पुरस्कृत किए गया। योगी प्रवीण आर्य ने शन्तिपाठ कराया।ऋषि लंगर के साथ उत्साह पूर्ण वातावरण में शिविर का भव्य समापन समारोह संपन्न किया गया।

आर्य युवक शिविर का दूसरा दिन

स्वाध्याय जीवन निर्माण का साधन है–सत्य भूषण आर्य (जिला व सत्र न्यायाधीश बिहार)

नोएडा, रविवार 1 जून 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वाधान में डॉ.अमिता चौहान व डॉ. अशोक कुमार चौहान के सानिध्य में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर–44, नोएडा में दूसरे दिन मुख्य अतिथि बिहार से पधारे जिला व सत्र न्यायाधीश सत्य भूषण आर्य ने युवको से स्वाध्याय करने पर बल दिया,उन्होंने कहा कि निरन्तर पढ़ना ज्ञान वर्धन का साधन है पढ़ा हुआ कभी बेकार नहीं जाता।शिक्षा जीवन भर काम आती है।कहानी यानी जिससे कोई नहीं है हानि।वह आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। वैदिक प्रवक्ता आर्य रविदेव गुप्ता ने कहा कि व्यक्ति में देश भक्ति की भावना होनी चाहिए।आज आंतक बाद की समस्या है जिसका मुकाबला युवा शक्ति को करना है। आर्य नेता अतुल सहगल ने कहा कि परिषद युवा निर्माण का सराहनीय कार्य कर रही है यह सबसे महत्वपूर्ण कार्य है।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन करते हुए कहा कि हम तीव्र गति से अभियान जारी रखेंगे।आचार्य महेन्द्र भाई ने धन्यवाद ज्ञापन किया।प्रवीण आर्य पिंकी ने ओजस्वी गीत प्रस्तुत किए। मुख्य शिक्षक सौरभ गुप्ता के निर्देशन में युवकों ने योगासन,दण्ड बैठक,जूडो कराटे के अभ्यास सीखे। प्रमुख रूप से दास राम आर्य, अरुण आर्य, गौरव सिंह, गौरव झा, विवेक अग्निहोत्री, कमल आर्य, यज्ञवीर चौहान, प्रदीप आर्य, सुदेश भगत, प्रवीण आर्य आदि उपस्थित थे।

आर्य युवक शिविर का तीसरा दिन

निर्धन व्यक्ति न्याय नहीं पा सकता –सुनील गुप्ता (पूर्व ला आफिसर तिहाड़ जेल)

नोएडा, सोमवार 2 जून 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वाधान में एमिटी इंटरनेशनल स्कूल नोएडा में चल रहे चरित्र निर्माण शिविर में मुख्य अतिथि ब्लेक वारंट के लेखक सुनील गुप्ता ने कहा कि आज सजा उसे ही मिलती है जो अच्छे वकील के पैसे खर्च नहीं कर सकता। न्याय पाना एक स्वप्न जैसा है अमीर व्यक्ति जैल में भी सारी सुख सुविधाओं को प्राप्त कर लेता है उन्होंने कहा कि फांसी नहीं दी जानी चाहिए मै इसके खिलाफ़ हू साथ ही उनका मानना था कि गायत्री मंत्र के पाठ से सब समस्याओं का हल मिल जाता है। उल्लेखनीय है कि आपकी जीवन यात्रा पर ब्लेक वारंट पिक्चर बनीं है। आचार्य श्रुति सेतिया ने कहा कि इस आयु में दिए हुए संस्कार सारी आयु काम आते हैं।आस्था आर्य ने नम्रता और सच्चाई को अपनाने पर जोर दिया। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया महेन्द्र भाई ने धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रदेश अध्यक्ष योगी प्रवीण आर्य ने परिषद् के 48 वें स्थापना दिवस की बधाई दी उन्होंने बताया कि 3 जून 1978 को अनिल आर्य जी द्वारा परिषद की स्थापना की गई थी। आर्य कमल, यज्ञ वीर चौहान रामकुमार आर्य, सौरभ गुप्ता आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्रवीण आर्या पिंकी ने गीतो से जोश पैदा कर दिया।

आर्य युवक शिविर का चतुर्थ दिवस

सदैव दूसरे की पत्नी को अपनी माँ, धन को मिट्टी के समान समझना चाहिए –स्वामी आर्यवेश
अभिवादन करने वाले की आयु, विद्या, यश और बल यह चारों नित्य बढ़ते हैं –कृष्ण कुमार यादव

नोएडा, मंगलवार 3 जून 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वाधान में एमिटी इंटरनेशनल स्कूल नोएडा में चल रहे चरित्र निर्माण शिविर में मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार यादव ने शिविरार्थिओं को संबोधित करते हुए कहा कि अभिवादन करने वाले की आयु, विद्या,यश और बल चारों नित्य बढ़ते हैं इसलिए अपने माता–पिता और गुरुजनों को प्रतिदिन प्रातः नमस्ते किया करें।उन्होंने आगे कहा की मनुष्यता का पाठ केवल इन शिविरों में दिया जाता है इसी से राष्ट्र का कल्याण होगा। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के यशस्वी प्रधान स्वामी आर्यवेश ने कहा कि पराई स्त्री पर कभी भी गलत नजर नहीं डालनी चाहिए और उसका अपनी माँ की तरह सम्मान करना चाहिए।दूसरे के धन संपत्ति पर भी कभी गलत दृष्टि नहीं डालनी चाहिए और उसे मिट्टी के समान समझना चाहिए।अपने परिश्रम से अर्जित की हुई धन–संपत्ति को ही अपनी संपत्ति समझना चाहिए। सभी के साथ एक समान व्यवहार करना चाहिए।सब के अंदर स्वयं की छवि देखना चाहिए।ऐसा आचरण करने वाला मनुष्य ही वास्तव मे विद्वान होता है। मुख्य वक्ता आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने कहा कि परिषद का मूलभूत उद्देश्य शिविरों के माध्यम से बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण करना है।उन्होंने आगे कहा कि गायत्री मंत्र के जप से बुद्धि तीव्र होती है,पाठ जल्दी याद होता है,नींद अच्छी आती है।अपना

लक्ष्य बड़ा निर्धारित करें और उसे लगन मेहनत से प्राप्त करें। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि बहादुर कब किसी का आसरा एहसान लेते हैं वही कर गुजरते हैं जो मन में ठान लेते हैं।उन्होंने आगे कहा कि देश का बहुसंख्यक वर्ग आज युवा शक्ति है उसे सही दिशा देने की आवश्यकता है।राष्ट्र की समस्याओं का समाधान युवा ही निकालेंगे।देश की दिशा व दशा युवा ही बदल सकते हैं। प्रांतीय अध्यक्ष योगी प्रवीण आर्य ने बताया कि संसार में तीन सत्तायें सदा से थीं,हैं और रहेंगी।प्रकृति, जीवात्मा और परमात्मा।प्रकृति सत्य,जीवात्मा सत्य के साथ चेतन भी है तथा परमात्मा सच्चिदानंद स्वरुप है।उसका मुख्य और निज नाम ओम है और उसके गोणिक, कार्मिक ओर स्वाभाविक असंख्य नाम हैं।आनंद की प्राप्ति उसकी शरण में जाने से होती है।ध्यान योग द्वारा उसकी प्राप्ति संभव है। जिला गाजियाबाद की परिषद् के अध्यक्ष यज्ञवीर चौहान ने परमपिता परमात्मा के मुख्य और निज नाम ओ३म् की विस्तृत चर्चा की और धर्म ग्रंथो को पढ़ने की प्रेरणा की संयोग से आज त्रिलोक शास्त्री का जन्म दिवस है तो उनके जन्मदिन की उन्होंने बधाई दी और एक बधाई गीत भी सुनाया। गायिका प्रवीण आर्या पिंकी के देश भक्ति के गीतों को सुनकर श्रोता झूम उठे। शिविर संयोजक अरुण आर्य ने मंच का कुशल संचालन किया,महेन्द्र भाई ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा शिविरार्थिओं को बुराइयों को छोड़ने और अच्छाइयों को ग्रहण करने का संकल्प कराया। प्रमुख रूप से स्वामी सूर्यवेश, कमल आर्य, रामकुमार आर्य,सौरभ गुप्ता आदि मौजूद रहे।

आर्य युवक शिविर का पंचम दिवस

गायत्री मंत्र से बुद्धि होती है सात्विक –स्वामी आर्यवेश

नोएडा, बुधवार 4 जून 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में शिक्षाविद डा. अमिता चौहान व डॉ.अशोक कुमार चौहान के सान्निध्य में एमिटी इंटरनेशनल स्कूल नोएडा में चल रहे चरित्र निर्माण शिविर में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के यशस्वी प्रधान स्वामी आर्यवेश ने गायत्री मन्त्र और दीप प्रज्वलित कर सत्र को प्रारम्भ किया।उन्होंने कहा कि मनुष्य के जीवन में बुद्धि का बहुत महत्व है।पशु पक्षी में यह गुण नहीं है।परंतु मनुष्य की बुद्धि विकृत हो जाए तो वह गर्त में चला जाता है परमात्मा ने जब सृष्टि का निर्माण किया तो चार वेदों का ज्ञान दिया जिसमें 20488 मंत्र हैं,उनमे बुद्धि की प्रार्थना के लिए गायत्री मंत्र दिया है।ईश्वर का निर्देश है जो इस मंत्र से जुड़ जाता है उसकी बुद्धि सात्विक जीवन में कोई दुर्व्यसन नहीं रहता और उसके अच्छे मित्र बन जाते हैं। आपको जो निर्माण का अवसर मिला है इस समय आपने निश्चय कर लिया तो आप सुसंस्कारी हो जाएंगे आपमें देश प्रेम की भावना जागेगी। स्वामी सूर्यवेश उपाध्यक्ष सन्यास आश्रम गाजियाबाद ने कहा कि यह एक बहुत ही प्रसिद्ध कहावत है जिसका अर्थ है कि धन की हानि उतना बड़ा नुकसान नहीं है जितना स्वास्थ्य की हानि,और स्वास्थ्य की हानि भी चरित्र की हानि से कहीं कम महत्वपूर्ण है।यदि आपका चरित्र चला गया,तो यह सब कुछ खो देने जैसा है। मुख्य वक्ता के रूप में फरीदाबाद से पधारे डॉ गजराज सिंह ने आर्य समाज के सिद्धांतों पर चर्चा करते हुए कहा कि स्वामी दयानंद ने जो आर्य समाज के नियम बनाए थे,वह आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। मुख्य अतिथि वीरेंद्र आर्य ने कहा कि मैंने भी कई शिवरों में भाग लिया है और परोपकार के कार्यों में लगा हूं यह सब आर्य समाज की देन है।संसार का उपकार करना आर्य समाज का मुख्य उद्देश्य है। गायिका प्रवीन आर्या पिंकी, प्रवीण आर्य एवं कमल आर्य के ईश भक्ति के गीतों को सुनकर श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए । राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने मंच का कुशल संचालन किया एवं राष्ट्रीय महामंत्री महेंद्र भाई ने धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रमुख रूप से पतराम त्यागी, देवेंद्र गुप्ता, अरुण आर्य, आस्था आर्या, रामकुमार आर्य,सौरभ गुप्ता, यज्ञवीर आर्य आदि मौजूद रहे।

आर्य युवक शिविर का छठा दिन

परस्पर सम्पर्क तथा नेतृत्व क्षमता का होना एक वरदान –डा. उमेश सपरा

पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लें –आस्था आर्या

नोएडा, वीरवार, 5 जून 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में शिक्षाविद डा.अमिता चौहान व डॉ. अशोक कुमार चौहान के सान्निध्य में एमिटी इंटरनेशनल स्कूल नोएडा में चल रहे विशाल युवक चरित्र निर्माण शिविर में चौ. ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, नई दिल्ली,दिल्ली सरकार के निदेशक डा. उमेश कुमार सपरा, एम.डी.,एच एम एम (आयुर्वेद), पी. एच.डी. द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में अपना अभिभाषण दिया। जिसका विषय गुड बिहेवियर एवं सॉफट स्किल था। डा. सपरा ने मुख्य 10 सॉफट स्किन के बारे में शिविर में आये आर्य युवकों को बतायी।जिसमें क्म्युनिकेशन,सेल्फ मोटिवेशन, नेतृत्व,उत्तरदायित्व,टीम वर्क, समस्या को सुलझाना,निर्णायकता, समय प्रबंधन,लचीलापन और बातचीत तथा विवाद समाधान मुख्य रूप से किसी भी व्यक्ति को जीवन में बहुत आगे तक ले जा सकते हैं। अच्छा कम्युनिकेशन तथा नेतृत्व क्षमता का होना एक वरदान साबित होता है। राष्ट्रीय महामंत्री महेंद्र भाई ने कहा कि 'पर्यावरण की रक्षा करना मानवता के लिये यह अत्यन्त आवश्यक' है।उन्होंने आशा व्यक्त की कि सब घर घर जाकर इस अभियान से जुड़ेंगे और विश्व पर्यावरण दिवस पर अपने पूर्वजों के नाम से वृक्षीय पौधा लगा कर बड़ा होने तक उसकी सुरक्षा का दायित्व सम्भालें। आस्था आर्या ने कहा कि प्लास्टिक का कम से कम प्रयोग करने का संकल्प लेना चाहिए चाहिए और पर्यावरण की रक्षा करने का संकल्प लें। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा प्लास्टिक की छोटी छोटी बचत से आदत बन जाएगी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे अशोक गुप्ता (प्रधान आर्य समाज सूरजमल विहार) कैप्टन अशोक गुलाटी मंत्री आर्य समाज नोएडा जो के अध्यक्ष थे,ने भी अपने विचार प्रकट किये। प्रवीन आर्या पिंकी,कमल आर्य,यज्ञ वीर आर्य,पतराम त्यागी के भजन हुए। प्रमुख रूप से सौरभ गुप्ता,अरुण आर्य, रामकुमार आर्य, विवेक अग्निहोत्री आदि उपस्थित थे।

आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का सातवां दिन

चरित्र व संस्कार उन्नति का मार्ग –दर्शनाचार्या विमलेश बंसल

नोएडा, शुक्रवार, 6 जून 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 44 नोएडा में चल रहे चरित्र निर्माण शिविर में आचार्या विमलेश बंसल ने कहा कि चरित्र और संस्कारों से व्यक्ति उन्नति कर्ता है,उन्होंने कहा कि यह चरित्र निर्माण शिविर निःसंदेह सराहनीय है।उन्होंने बच्चों को चरित्र किसे कहते हैं बड़े ही सरल रूप से परिभाषित करते हुए कहा जो थोड़ी देर महकाए उसे इत्र कहते हैं जो मुसीबत में काम आए उसे मित्र कहते हैं।किंतु जो सदा सदा के लिए महकाए उसे चरित्र कहते हैं।उन्होंने कई श्लोकों मंत्रों को उद्धृत करते हुए बच्चों में नैतिक सैद्धांतिक व्यावहारिक मूल्यों को कैसे बढ़ाया जाए इस पर बखूबी प्रकाश डाला। हमारा खानपान बोलचाल सदाचरण धर्म युक्त तथा दोष मुक्त जीवन ही चरित्र निर्माण में सहायक होता है। यहाँ बच्चे आते वक्त खरहरी लकड़ी समान होते हैं किंतु उत्तम शिक्षक आचार्य गण मात्र सात दिन में उन्हें रंधा लगाकर मुलायम,सुंदर तथा उपयोगी शोकेस की भाँति बनाकर उज्ज्वल धवल संस्कारी चरित्रवान बना परिवार समाज तथा सुखद उन्नत राष्ट्र के लिए तैयार कर देते हैं। उन्होंने छोटे छोटे बिंदुओं द्वारा समय,अनुशासन तथा ऐश्वर्यवान बनने पर भी जोर दिया।उन्होंने बच्चों को शंका समाधान के द्वारा छह दिन में कितना सीखा उसकी भी परीक्षा की,साथ ही महापुरुषों,देशभक्तों के कार्यों से भी अवगत कराया तथा स्वरचित गीत के माध्यम से भी खेल खेल में खूब आनंद दिलाया तथा अंत में बच्चों को महत्वपूर्ण संदेश भी दिया,जब तुम घर जाओगे तो तुम्हारे पूर्व के व्यक्तित्व से लौटकर के वापिस जाने के व्यक्तित्व में विशेष अंतर नजर आना चाहिए।इसके लिए जो तुमने सात दिन में सीखा डायरी में नोट किया वह तुम्हारी हृदय की डायरी में पहुंच जीवन में आना चाहिए।जिससे तुम्हे देखकर माता पिता अपनी संतति और आर्य संस्थान पर गर्व कर सकें क्योंकि संस्कारी और चरित्रवान बच्चे ही राष्ट्र की उज्ज्वल संपत्ति धन हैं। यज्ञ,योग,वेदमय जीवन तथा ईश, गुरु,मातृ–पितृ,राष्ट्र भक्ति ही सुखी और चरित्रवान राष्ट्र की धरोहर है। तथा अपना स्लोगन भी दिया – 'आओ अपना आप निखारें राष्ट्र सँवारें'। युवा नेत्री आस्था आर्या ने कहा कि आशावादी व्यक्ति चुनौतियों को एक अवसर की तरह देखता है और हर परिस्थिति में बेहतर समाधान खोजने की कोशिश करता है।सकारात्मक सोच से मनोबल बढ़ता है,हिम्मत मिलती है और मुश्किल समय में भी आगे बढ़ने की ताकत मिलती है।जब हम सकारात्मक नजरिए से सोचते हैं,तो चुनौतियाँ हमें कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत बनाती हैं।इसलिए चिंता छोड़कर आशावादी बनें और जीवन की समस्याओं को मुस्कुराते हुए सामना करें। मुख्य अतिथि पूजा सलूजा व प्रवीन आर्या पिंकी ने बच्चों को जीवन में ऊपर उठने का संदेश दिया। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व महेन्द्र भाई ने धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रमुख रूप से सुधीर बंसल, राजेन्द्र शर्मा ,सौरभ गुप्ता अरुण आर्य, रामकुमार आर्य, अमीर चंद रखेजा, रेणु त्यागी, मीना आर्य,श्याम लाल आर्य ने अपने विचार व्यक्त किए।

आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का आठवां दिन

हमारे आर्य वीर सदैव विजयी हों' –'प्रो नरेन्द्र आहूजा विवेक

नोएडा, शनिवार, 7 जून 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 44 नोएडा में चल रहे चरित्र निर्माण शिविर में मुख्य वक्ता प्रो नरेन्द्र आहूजा विवेक ने दीप प्रज्वलित कर सत्र को प्राम्भ किया उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे आर्य वीर सदैव विजयी हों और इसके लिए एक वेद मन्त्र 'यदि वीरो अनुष्यात अग्नि इन्धित मृतयरू' की विस्तृत व्याख्या करते हुए नरेन्द्र आहूजा विवेक ने कहा की यदि शब्द हमारी कर्म स्वतन्त्रता का प्रतीक है।अपने द्वारा सम्पादित कर्मों कों करने में स्वतंत्र होने के कारण हमें उन कर्मों के फलों को भोगना भी होता है।हमें वर्तमान परिस्थिति में इस बात को समझना होगा और अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए अग्नि इंधीत मृत्यरू अर्थात अपने भीतर सत्य ज्ञान की अग्नि को उदबुद्ध करके अपने प्रत्येक श्वास के साथ सद्कर्मो की आहुति देनी होगी।हमें राष्ट्र रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने के लिए तत्पर रहना होगा। सुप्रसिद्ध भजनपदेशिका पिंकी आर्या,अंजू आहूजा,ममता चौहान, नरेश चन्द्र एवं प्रवीण आर्य ने देशभक्ति के गीतों से समाँ बांध दिया। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे हास्य योग गुरु जितेन कोही ने आज शिविरार्थिओं को हास्य–कपाल भाँति,मौन हास्य क्रिया,तितली हास्य क्रिया,बैली हास्य क्रिया,ट्रेक्टर स्टार्ट हास्य क्रिया,ताली हास्य क्रिया श्हो–हो, हा–हाश,हास्य क्रिया द्वारा हास्य योग के अभ्यास कराए जिसे आर्य युवकों ने बड़े ही मनोयोग से हँसते मुस्कुराते हुए किया।हास्य योग गुरु ने हास्य योग के अभ्यास कराते हुए बताया कि स्वस्थ तन–मन का रसायन है ठहाके लगाकर हँसना।ठहाके लगाने व खिलखिलाकर हँसने से छाती व पेट के मध्य स्थित डायाफ्राम में स्पन्दन होता है।हँसने से डायाफ्राम की झिल्ली सक्रिय हो जाती है,फलस्वरूप पेट,फेफड़े व लिवर की स्वाभाविक मालिश होती है व समस्त शरीर की कोशिकाओं में ऑक्सीजन का संचार होता है, हृदय की शिराओं में रक्त का परिसंचरण सुचारू ढंग से होने लगता है।उन्होंने आगे कहा कि ठहाके लगाकर हँसने से तन की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले व मन को खुशी प्रदान करने वाले महत्वपूर्ण रसायन एंडॉर्फिन तथा सेरोटोनिन का पर्याप्त मात्रा में उत्सर्जन होता है,सत्य तो यह है कि हँसने का बेशकीमती उपहार परमेश्वर ने केवल मनुष्य को दिया है। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉक्टर आरके आर्य (निदेशक,स्वदेशी आयुर्वेदा,हरिद्वार) ने कहा कि बच्चों आपको महर्षि दयानंद की विचार धारा को जीवन में उतारना है अगर आप ईमानदारी से पालन करेंगे तो जीवन में बहुत बड़ी उपलब्धि होगी आर्य समाज से जुड़ने पर आप बुराइयों से बचे रहेंगे उन्होंने चार चीजों का मूल्यांकन निरंतर करने के लिए कहा स्वास्थ्य की चिंता, सम्मान, संबंधों की समीक्षा और आय के संसाधन।उन्होंने पर्यावरण और स्वच्छता पर अपने विचार रखते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण हमारी संस्कृति और विरासत को संरक्षित करने में मदद करता है।सांस्कृतिक विरासत को बचाना हमारी जिम्मेदारी है और यह हमें आने वाली पीढ़ी के लिए एक बेहतर जीवन प्रदान करता है। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व महेन्द्र भाई ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970